उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

जनवरी 2022 JANUARY

पौष/माघ

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
30 त्रयोदशी	31 चतुर्दशी	26th Republic Day				1 त्रयोदशी
2 अमावस्या	3 प्रतिपदा	4 द्वितीया	5 तृतीया	6 चतुर्थी	7 पंचमी	8 षष्ठी
9 सप्तमी	10 अष्टमी	11 नवमी	12 दशमी	13 एकादशी	14 द्वादशी	15 त्रयोदशी
16 चतुर्दशी	17 पूर्णिमा	18 प्रतिपदा	19 द्वितीया	20 द्वितीया	21 तृतीया	22 चतुर्थी
23 पंचमी	24 षष्ठी	25 सप्तमी	26 नवमी	27 दशमी	28 एकादशी	29 द्वादशी

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जनवरी के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** गेहूँ में दूसरी सिंचाई बोआई के 40-45 दिन बाद कल्ले निकलते समय और तीसरी सिंचाई बोआई के 60-65 दिन बाद गांठ बनने की अवस्था पर करें।
- गेहूँसा गेहूँ के मामा (फ्लोरिश माइनर) की रोकथाम के लिये खरपतवार नाशक का छिड़काव करना चाहिये।
- **चना :** फूल आने से पहले सिंचाई कर दें।
- मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) की रोकथाम के लिये प्रति हेक्टेयर घुलनशील गंधक 3.0 किग्रा 800 लीटर पानी में घोलकर 10-12 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करें।

मसूर

जनवरी के मुख्य कृषि कार्य

- **जौ :** जौ में दूसरी सिंचाई, बोआई के 55-60 दिन गांठ बनने की अवस्था पर करें।
- **मसूर :** बोआई के 45 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई करें। ध्यान रखें, खेत में पानी खड़ा न रहे।
- **तोरिया :** तोरिया की फसल पकने पर कटाई कर लें । विलम्ब करने पर दानों के गिरने का भय रहता है।
- **राई सरसों :** राई-सरसों में दाना भरनें की अवस्था में दूसरी सिंचाई करें।
- माहू कीट नियंत्रण के लिये कीटनाँक दवाओं छिड़काव करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

फरवरी 2022 FEBRUARY

माघ/फाल्गुन

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
		1 अमावस्या	2 प्रतिपदा	3 तृतीया	4 चतुर्थी	5 पंचमी
6 षष्ठी	7 सप्तमी	8 अष्टमी	9 अष्टमी	10 नवमी	11 दशमी	12 एकादशी
13 द्वादशी	14 त्रयोदशी	15 चतुर्दशी	16 पूर्णिमा	17 प्रतिपदा	18 द्वितीया	19 तृतीया
20 चतुर्थी	21 पंचमी	22 षष्ठी	23 सप्तमी	24 अष्टमी	25 नवमी	26 दशमी
27 एकादशी	28 त्रयोदशी					

15th Hazrat Ali Birthday

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

फरवरी के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** अनावृत कण्डवे की रोगी बाली, जो खेत में जल्दी निकल आती है, दिखाई देते ही उसे निकाल कर जला दें।
- **जौ :** जौ में तीसरी सिंचाई दूधियावस्था में बोआई के 95-100 दिन बाद करें।
- खेत में यदि कण्डुवा रोग से ग्रस्त बाली दिखाई दे तो उसे निकाल कर जला दें।
- गेहूँसा या गेहूँ का मामा (फ्लोरिश माइनर) दिखाई देने पर उसे निकाल दें।
- **चना :** चने की फसल को फली छेदक कीट से बचाव के लिये फली बनना शुरू होते ही कीटनाशक दवाओं का 15 दिन के अन्तराल पर 2 बार छिड़काव करें।

मटर

फरवरी के मुख्य कृषि कार्य

- चने की फसल में झुलसा रोग के रोकथाम के लिए रसायन का छिड़काव करें।
- **चना/मसूर :** यदि जाड़े की वर्षा न हुयी तो फलियाँ बनते समय हल्की सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी।
- **मटर :** मटर में बुकनी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग की रोकथाम हेतु फफूंदीनाशक दवा का प्रयोग करें।
- **राई :** माहू कीट की रोकथाम के लिए कीटनाँक दवाओं का प्रयोग करें।
- **मक्का :** बसन्तकालीन मक्का की बोआई पूरे माह की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

मार्च 2022 फाल्गुन/चैत्र MARCH

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
		1 चतुर्दशी	2 अमावस्या	3 प्रतिपदा	4 द्वितीया	5 तृतीया
6 चतुर्थी	7 पंचमी	8 षष्ठी	9 सप्तमी	10 अष्टमी	11 नवमी	12 नवमी
13 दशमी	14 एकादशी	15 द्वादशी	16 त्रयोदशी	17 चतुर्दशी	18 पूर्णिमा	19 प्रतिपदा
20 द्वितीया	21 तृतीया	22 चतुर्थी	23 षष्ठी	24 सप्तमी	25 अष्टमी	26 नवमी
27 दशमी	28 एकादशी	29 द्वादशी	30 त्रयोदशी	31 चतुर्दशी	1st Maha Shivaratri 17th Holika Dahan 18th Holi	

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

मार्च के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** बोआई के समय के अनुसार गेहूँ में दाने की दुधियावस्था में 5वीं सिंचाई बोआई के 100-105 दिन की अवस्था पर और छठी व अन्तिम सिंचाई बोआई 115-120 दिन बाद दाने भरते समय करें।
- **जौ :** यदि जौ की बोआई देर से हो तो इसमें तीसरे और अन्तिम सिंचाई दुधियावस्था में बोआई के 95-100 दिन की अवस्था में करें।
- **चना :** चनें की फसल में दाने बनने की अवस्था में सिंचाई करें।
- फलीछेदक कीट की रोकथाम के लिए कीटनाँक

उर्द

मार्च के मुख्य कृषि कार्य

दवाओं का प्रयोग करें।

- **मसूर :** धान के खेतों में बोई गयी मसूर की फसल में यदि वर्षा न हो तो एक हल्की सिंचाई फली आने के समय करनी चाहिए।
- **उर्द/मूँग :** बसन्त ऋतु की मूँग व उर्द की बोआई के लिए यह माह अच्छा है।
- इस समय उर्द व मूँग के लिए प्रति हेक्टेयर 20-25 किग्रा बीज की आवश्यकता होगी।
- उर्द की बोआई 25 सेंमी दूर कतारों में तथा मूँग की बोआई 30 सेंमी दूर कतरों में करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

अप्रैल 2022 APRIL
चैत्र/बैशाख

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
	10th Ram Navami 14th Mahavir Jayanti			15th Good Friday	1 अमावस्या	2 प्रतिपदा
3 द्वितीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी	8 सप्तमी	9 अष्टमी
10 नवमी	11 दशमी	12 एकादशी	13 द्वादशी	14 त्रयोदशी	15 चतुर्दशी	16 पूर्णिमा
17 प्रतिपदा	18 द्वितीया	19 तृतीया	20 चतुर्दशी	21 पंचमी	22 षष्ठी	23 सप्तमी
24 नवमी	25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी	29 चतुर्दशी	30 अमावस्या

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अप्रैल के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** गेहूँ की फसल पककर तैयार होने को है। उसकी समय से कटाई-मड़ाई का प्रबन्ध कर लें।
- फसल काटने से पहले खरपतवार या गेहूँ की अन्य प्रजातियों की बालियों को निकाल देना चाहिये, जिससे मड़ाई के समय इनके बीज गेहूँ के बीज में न मिलनें पायें।
- **जौ/चना/मटर/सरसों/मसूर :** जौ, चना, मटर, सरसों व मसूर आदि की कटाई व मड़ाई पूरी कर लें।
- **उर्द/मूँग :** उर्द की बोआई का समय अब निकल गया है। परन्तु मूँग की बोआई 10 अप्रैल तक की जा सकती है।

मूँग

अप्रैल के मुख्य कृषि कार्य

- मूँग की बोआई के लिए प्रति हेक्टेयर 20-25 किग्रा बीज आवश्यक होगा।
- मूँग की बोआई 30 सेंमी दूर कतारों में करें तथा बोआई के समय 100 किग्रा प्रति हेक्टेयर डी.ए.पी. उर्वरक प्रयोग करें।
- जो फसल पहले बोई गयी है उसमें बोआई के 25-30 दिन बाद पहली सिंचाई करें तथा ओट आने पर निराई-गुड़ाई कर दें।
- उर्द/मूँग की फसल में पत्ती खाने वाले कीटों की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

मई 2022 MAY

बैशाख/ज्येष्ठ

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
1 प्रतिपदा	2 द्वितीया	3 तृतीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी
8 सप्तमी	9 अष्टमी	10 नवमी	11 दशमी	12 एकादशी	13 द्वादशी	14 त्रयोदशी
15 चतुर्दशी	16 पूर्णिमा	17 प्रतिपदा	18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी
22 सप्तमी	23 अष्टमी	24 नवमी	25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी
29 चतुर्दशी	30 अमावस्या	31 प्रतिपदा				

3rd Eid-ul-Fitr

16th Buddha Purnima

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

मई के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** भण्डारण के लिये गेहूँ को कडी धूप में इतना सुखाना चाहिए कि उसमें नमी की मात्रा 8-10 प्रतिशत से अधिक न रहे।
- भण्डारगृह को कीटनाशी से विसंक्रमित कर लें।
- यदि अनाज की बोरियों में भरकर रखना हो तो नीचे पर्याप्त मात्रा में भूसे व नीम की सूखी पत्ती की तह बिछा दें तथा बोरे को दीवार से 50 सेंमी दूर रखे।
- **उर्द/मूँग :** गर्मी में बोयी गयी मूंग, उर्द की फसल में 12-15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें।
- **हरी खाद की फसलें :** हरी खाद के लिए ढैंचा या सनई की बोआई भूमि की उर्वरता बढाने के लिए बहुत ही उपयोगी है।
- **मृदा परीक्षण एवं भूमि का समतलीकरण :** भूमि में पोषक

ढैंचा

मई के मुख्य कृषि कार्य

तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें।

- भूमि का समतलीकण कर लें, जिससे सिंचाई के समय पानी पूरे खेत में एक समान फैले।
- **गर्मी की जुताई :** रबी फसल की कटाई के बाद मिट्टी पलटने वाले हल से गर्मी की जुताई करना लाभदायक होगा।
- गर्मी की जुताई से खरपतवार की संख्या में कमी होती है, साथ ही हानिकारक कीडे भी नष्ट हो जाते है और भूमि की पानी रोकने व सोखने की क्षमता भी बढ़ जाती है।
- **धान :** धान की देर से पकने वाली प्रजातियों की नर्सरी माह के अन्तिम सप्ताह में डाली जा सकती है।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

जून 2022 JUNE
ज्येष्ठ/आषाढ़

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
			1 द्वितीया	2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी
5 षष्ठी	6 षष्ठी	7 सप्तमी	8 अष्टमी	9 नवमी	10 दशमी	11 एकादशी
12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 पूर्णिमा	15 प्रतिपदा	16 द्वितीया	17 तृतीया	18 पंचमी
19 षष्ठी	20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी	23 दशमी	24 एकादशी	25 द्वादशी
26 त्रयोदशी	27 चतुर्दशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या	30 प्रतिपदा		

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जून के मुख्य कृषि कार्य

- **धान :** यदि मई के अन्तिम सप्ताह में धान की नर्सरी नहीं डाली हो तो जून के प्रथम पखवाड़े तक पूरा कर लें। जबकि सुगन्धित प्रजातियों की नर्सरी जून के तीसरे सप्ताह में डालनी चाहिए।
- **मक्का :** मक्का की बोआई 25 जून तक पूरी कर लें।
- बोआई से पूर्व प्रति किग्रा बीज का 2.5 ग्राम थायरस से उपचारित कर लेना चाहिए।
- **ज्वार :** ज्वार की बोआई जून के अन्तिम सप्ताह में करें।
- **अरहर :** सिंचित दशा में अरहर की बोआई जून के प्रथम सप्ताह में, अन्यथा सिंचाई के अभाव में वर्षा प्रारम्भ होने पर ही करें।

धान

जून के मुख्य कृषि कार्य

- अरहर का राइजोबियम कल्चर से उपचारित बीज 60-75X15-20 सेंमी की दूरी पर बोयें।
- **मूँगफली :** मूँगफली की बोआई जून के दूसरे पखवाड़े में करें।
- **सोयाबीन :** सोयाबीन की बोआई जून के दूसरे पखवाडे से ही की जा सकती है।
- **सूरजमुखी/उर्द/मूँग :** जायद में बोई गयी सूरजमुखी व उर्द की कटाई मडाई का कार्य तथा मूँग की फलियों की तुडाई का कार्य 20 जून तक अवश्य पूरा कर लें।
- **गर्मी की जुताई व मेड़बन्दी :** वर्षा पूर्व मेड़बन्दी का कार्य पूर्ण कर लें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

जुलाई 2022 JULY

आषाढ़/श्रावण

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
31 तृतीया	10th Eid-ul-Zuha (Bakreed)				1 द्वितीया	2 तृतीया
3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी
10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 पूर्णिमा	14 प्रतिपदा	15 द्वितीया	16 तृतीया
17 चतुर्थी	18 पंचमी	19 षष्ठी	20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी	23 दशमी
24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी	27 चतुर्दशी	28 अमावस्या	29 प्रतिपदा	30 द्वितीया

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

जुलाई के मुख्य कृषि कार्य

- **धान :** धान की मध्यम व देर से पकने वाली प्रजातियों की रोपाई माह के प्रथम पखवाड़े तक एवं शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की रोपाई जुलाई के दूसरे पखवाड़े तक पूर्ण कर लें।
- धान की रोपाई से पूर्व 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से जिंक सल्फेट खेत में मिला दें।
- धान की रोपाई कतारों में 20ग10 सेंमी की दूरी पर प्रति स्थान 2-3 पौधे लगायें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए खरपतवार नाशक का छिड़काव करें।
- **अरहर/उर्द/मूँग :** मूँग या उर्द की प्रति हेक्टेयर बोआई के लिए 12-15 किग्रा बीज प्रयोग करें।
- बोआई से पूर्व बीज को राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- **मक्का :** समय से बोई गयी मक्का में बोआई के 15 दिन बाद प्रथम

तिल

जुलाई के मुख्य कृषि कार्य

निराई-गुड़ाई, फिर एक सप्ताह के अन्तर पर दो बार गुड़ाई कर दें।

- नाइट्रोजन की 40 किग्रा मात्रा बोआई के 30-35 दिन बाद पौधों के लगभग घुटनों तक की ऊँचाई के हो जाने पर कतारों में दें।
- **ज्वार :** ज्वार की बोआई माह के प्रथम पखवाड़े तक कर लें।
- **बाजरा :** बाजरा की बोआई 15 जुलाई के बाद पूरे माह की जा सकती है।
- बोआई के लिए प्रति हेक्टेयर 4-5 किग्रा बीज की आवश्यकता होती।
- **मूँगफली :** मूँगफली की बोआई माह के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें।
- बोआई के 3 सप्ताह बाद निराई करके प्रति हेक्टेयर 100 किग्रा जिप्सम डालकर हल्की गुड़ाई कर दें।
- **सोयाबीन :** सोयाबीन की बोआई के माह का प्रथम पखवाड़ा सबसे अच्छा है।
- बोआई से पूर्व सोयाबीन के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

अगस्त 2022 AUGUST

श्रावण/भाद्रपद

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
	1 चतुर्थी	2 पंचमी	3 पंचमी	4 षष्ठी	5 अष्टमी	6 नवमी
7 दशमी	8 एकादशी	9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 द्वितीया
14 तृतीया	15 चतुर्थी	16 पंचमी	17 षष्ठी	18 सप्तमी	19 अष्टमी	20 नवमी
21 दशमी	22 एकादशी	23 एकादशी	24 द्वादशी	25 त्रयोदशी	26 चतुर्दशी	27 अमावस्या
28 प्रतिपदा	29 द्वितीया	30 तृतीया	31 चतुर्थी			

9th Muharram - Ashura
12th Raksha Bandhan
15th Independence Day
18th Janmashtami

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अगस्त के मुख्य कृषि कार्य

- **धान :** इस समय रोपाई के लिए धान की 40 दिन पुरानी पौध का प्रयोग करें तथा 15ग10 सेंमी की दूरी पर, प्रति स्थान 3-4 पौध लगायें।
- नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग से पूर्व खरपतवार निकाल दें तथा टाप ड्रेसिंग करते समय खेत में 2-3 सेंमी से अधिक पानी न खड़ा हो।
- खैरा रोग की रोकथाम के लिए छिड़काव करें।
- धान में फुदके से बचाव के लिए छिड़काव करें।
- **मक्का :** मक्का में नाईट्रोजन प्रति हेक्टेयर 40 किग्रा (87 किग्रा यूरिया) की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रसिंग बोआई के 45-50 दिन बाद, नरमंजरी निकलते समय करनी चाहिए।
- फसल में नरमंजरी व बाली बनते समय नमी की कमी नहीं होनी चाहिए अन्यथा उपज में 50 प्रतिशत तक कमी हो सकती है।

सोयाबीन

अगस्त के मुख्य कृषि कार्य

- **ज्वार :** ज्वार की फसल में विरलीकरण (थिनिंग) क्रिया द्वारा लाइन में पौधों की आपस की दूरी 15-20 सेंमी कर देनी चाहिए।
- **बाजरा :** बाजरा की बोआई माह के मध्य तक अवश्य पूरी कर लें।
- बोआई के 15 दिन बाद, कमजोर पौधों को निकालकर लाइन में पौधों की आपस की दूरी 10-15 सेंमी कर लेनी चाहिए।
- **मूँग / उर्द :** खेत में निराई-गुड़ाई करके खरपतवार निकाल दें।
- **सोयाबीन :** फसल की बोआई के 20-25 दिन बाद निराई कर खरपतपवार निकाल दें। आवश्यकतानुसार दूसरी निराई भी बोआई के 40-50 दिन बाद करें।
- **मूँगफली :** मूँगफली में दूसरी निराई-गुड़ाई बोआई के 35-40 दिन बाद दिन बाद करके साथ ही मिट्टी भी चढ़ा दें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

सितम्बर 2022 SEPTEMBER

भाद्रपद/अश्विन

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
				1 पंचमी	2 षष्ठी	3 सप्तमी
4 अष्टमी	5 नवमी	6 दशमी	7 द्वादशी	8 त्रयोदशी	9 चतुर्दशी	10 पूर्णिमा
11 प्रतिपदा	12 द्वितीया	13 तृतीया	14 चतुर्थी	15 पंचमी	16 षष्ठी	17 सप्तमी
18 अष्टमी	19 नवमी	20 दशमी	21 एकादशी	22 द्वादशी	23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी
25 अमावस्या	26 प्रतिपदा	27 द्वितीया	28 तृतीया	29 चतुर्थी	30 पंचमी	

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

सितम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- **धान :** धान में नाइट्रोजन की दूसरी व अन्तिम टाप ड्रेसिंग बाली बनने की प्रारम्भिक अवस्था में करें।
- खेत में टाप ड्रेसिंग करते समय 2-3 सेंटीमीटर से अधिक पानी नहीं होना चाहिए।
- धान में बालियाँ फूटने तथा फूल निकलने के समय पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- **मक्का :** मक्का में अधिक बरसात होने पर जल-निकास की व्यवस्था करें।
- फसल में नर मंजरी निकलने की अवस्था एवं दाने की दूधियावस्था सिंचाई की दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है।
- **ज्वार :** ज्वार से अच्छी उपज प्राप्त करनें के लिए वर्षा न होने या नमी की कमी होने पर बाली निकलने के समय तथा दाना भरते समय सिंचाई करें।

मूँगफली

सितम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- **बाजरा :** बाजरा की उन्नत/संकर प्रजातियों में नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा यानि 40-50 किग्रा की टाप ड्रेसिंग बोआई के 25-30 दिन बाद करें।
- **मूँग/उर्द :** फली छेदक कीट की सूडियॉ, को रोकथाम के लिए रसायन का छिड़काव करना चाहिए।
- **सोयाबीन :** सोयाबीन में वर्षा न होने पर फूल एवं फली बनते समय सिंचाई करें।
- **मूँगफली :** मूँगफली में खूँटिया बनते (पेगिंग) समय तथा फलियाँ बनते समय पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई अवश्य करें।
- **तोरिया :** तोरिया की बोआई के लिए सितम्बर का दूसरा पखवाडा सबसे उत्तम है।
- तोरिया की बोआई 30X10-15 सेंटीमीटर पर, 3-4 सेंटीमीटर गहरी कूडों में करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

अक्टूबर 2022 OCTOBER

अश्विन/कार्तिक

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
30 षष्ठी	31 सप्तमी	2nd Mahatma Gandhi Jayanti 4th Dussehra Navami 5th Dussehra	9th Milad Un-Nabi (Eid-E-Milad) 24th Deepawali 26th Govardhan Pooja		27th Bhaiya Dooj	1 षष्ठी
2 सप्तमी	3 अष्टमी	4 नवमी	5 दशमी	6 एकादशी	7 द्वादशी	8 चतुर्दशी
9 पूर्णिमा	10 प्रतिपदा	11 द्वितीया	12 तृतीया	13 चतुर्थी	14 पंचमी	15 षष्ठी
16 षष्ठी	17 सप्तमी	18 अष्टमी	19 नवमी	20 दशमी	21 एकादशी	22 द्वादशी
23 त्रयोदशी	24 चतुर्दशी	25 अमावस्या	26 प्रतिपदा	27 द्वितीया	28 तृतीया	29 चतुर्थी

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

अक्टूबर के मुख्य कृषि कार्य

- **धान :** धान में फूल आते समय तथा दाने की दूधियावस्था पर नमी बनाये रखने के लिए सिंचाई करें, परन्तु कटाई से 15 दिन पूर्व सिंचाई बन्द कर दें।
- धान में जीवाणु झुलसा रोग, की रोकथाम के लिए छिडकाव करें।
- तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्रामा नामक परजीवी को 8-10 दिन के अन्तराल पर छोड़ना चाहिए।
- गन्धीबग की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- धान में भूरे फुदके की रोकथाम के लिए खेत से पानी निकाल दें।
- **अरहर :** फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
- **मूँगफली :** फलियों की वृद्धि की अवस्था पर सिंचाई करें।

सरसों

अक्टूबर के मुख्य कृषि कार्य

- **तोरिया/लाही :** तोरिया/लाही की बोआई माह के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें।
- बोआई के 20 दिन के अन्दर निराई-गुडाई कर दें साथ ही सघन पौधों को निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेंमी कर दें।
- **राई/सरसों :** राई की बोआई के लिए माह का प्रथम पखवाडा सबसे उपयुक्त है।
- प्रति हेक्टेयर 75 किग्रा नाइट्रोजन, 75 किग्रा फास्फेट व 75 किग्रा पोटाश का प्रयोग कूंडो में करें।
- **गेहूँ :** असिंचित क्षेत्रों में गेहूँ बोने का कार्य अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह से प्रारम्भ करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

नवम्बर 2022 NOVEMBER
कार्तिक/मार्गशीर्ष

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
8th Guru Nanak Jayanti		1 अष्टमी	2 नवमी	3 दशमी	4 एकादशी	5 द्वादशी
6 त्रयोदशी	7 चतुर्दशी	8 पूर्णिमा	9 प्रतिपदा	10 द्वितीया	11 तृतीया	12 चतुर्थी
13 पंचमी	14 षष्ठी	15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 अष्टमी	18 नवमी	19 दशमी
20 एकादशी	21 द्वादशी	22 त्रयोदशी	23 चतुर्दशी	24 प्रतिपदा	25 द्वितीया	26 तृतीया
27 चतुर्थी	28 पंचमी	29 षष्ठी	30 सप्तमी			

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

नवम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** गेहूँ में बोआई का सबसे अच्छा समय 5 से 30 नवम्बर तक का है।
- प्रमाणित अथवा सत्यापित एवं शोधित बीज ही बोयें।
- बोआई के 20-25 दिन बाद सिंचाई करना जरूरी है।
- **जौ :** पूर्वी उत्तर-प्रदेश में सिंचित क्षेत्र होने की दशा में जौ की बोआई 15 नवम्बर तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा बुन्देलखण्ड के इलाके में 15 से 30 नवम्बर के मध्य पूरी कर लें।
- बोआई 20 सेंमी की दूरी पर 5-6 सेंमी की गहराई में कूडों में करें।
- बोआई के लिए प्रति हेक्टेयर 75 किग्रा बीज की जरूरत होगी।
- **लाही :** बोआई के 15-20 दिन पर अथवा हर हालत में सिंचाई के पहले घने पौधों को निकालकर पौध से पौध की दूरी 10-15 सेंमी कर लें।

गेहूँ

नवम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- बोआई के 30 दिन के बाद सिंचाई करें। इसके बाद ओट आने पर प्रति हेक्टेयर 50 किग्रा नाइट्रोजन की टाप ड्रेसिंग करें।
- **राई :** बोआई के 15-20 दिन के बाद घने पौधों की छँटनी करके पौधों की आपसी दूरी 15 सेंमी कर लें।
- **चना :** बोआई के 30-35 दिन के बाद निराई-गुड़ाई कर लें।
- **मटर :** मटर में बोआई के 20 दिन के निराई कर लें।
- बोआई के 40-45 दिन बाद पहली सिंचाई करें। फिर 6-7 दिन बाद ओट आने पर हल्की गुड़ाई भी कर दें।
- **मसूर :** बोआई के लिए 15 नवम्बर तक का समय अच्छा है।
- बोआई 20-25 सेंमी की दूरी पर कतारों में करें।

उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम
UTTAR PRADESH BEEJ VIKAS NIGAM

सी 973-74-बी अयोध्या रोड, महानगर, लखनऊ, 226 006, उ0प्र0
सीआईएन : U01122UP2002SGC026490

C 973-74-B Ayodhya Road, Mahanagar, Lucknow, 226 006, U.P.
CIN : U01122UP2002SGC026490

Phone (दूरभाष) : 0522-2335356 | उत्पादन/विधायन : 7570906007 | विपणन : 7570906003

ई-मेल : ho.lucknow@upbvn.org वेबसाइट : www.upbvn.org

दिसम्बर 2022 मार्गशीर्ष/पौष DECEMBER

रवि Sun	सोम Mon	मंगल Tue	बुध Wed	वीर Thu	शुक्र Fri	शनि Sat
				1 अष्टमी	2 दशमी	3 एकादशी
4 द्वादशी	5 त्रयोदशी	6 त्रयोदशी	7 चतुर्दशी	8 पूर्णिमा	9 प्रतिपदा	10 द्वितीया
11 तृतीया	12 चतुर्थी	13 पंचमी	14 षष्ठी	15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 नवमी
18 दशमी	19 एकादशी	20 द्वादशी	21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 अमावस्या	24 प्रतिपदा
25 द्वितीया	26 चतुर्थी	27 पंचमी	28 षष्ठी	29 सप्तमी	30 अष्टमी	31 नवमी

25th Christmas Day

यू.पी. सीड का संकल्प - उन्नत फसल समृद्ध किसान
कृषकों को प्रमाणित एवं गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराना

दिसम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- **गेहूँ :** देर से बोये गेहूँ की बढ़वार कम होती है और कल्ले भी कम निकलते है, इसलिए प्रति हेक्टेयर बीज दर बढाकर 125 किग्रा कर लें।
- प्रमाणित अथवा सत्यापित एवं शोधित बीज ही बोयें।
- बोआई कतारों में हल के पीछे कूडों में या फर्टीसीड ड्रिल से करें।
- अगर खेत में जस्ते की कमी हो, तो बोआई के समय प्रति हेक्टेयर 25 किग्रा जिंक सल्फेट का प्रयोग करें।
- गेहूँ की बोआई के 20-25 दिन पर 5-6 सेंमी की पहली सिंचाई ताजमूल अवस्था पर और दूसरी सिंचाई 40-45 दिन पर कल्ले निकलते समय करें।
- बलुई दोमट भूमि में नाइट्रोजन की शेष 40 किग्रा मात्रा दूसरी सिंचाई के समय प्रयोग करें।
- गेहूँसा या गेहूँ के मामा की रोकथाम के लिए खरपतवार नाशक का छिड़काव करना चाहिए।

चना

दिसम्बर के मुख्य कृषि कार्य

- **जौ :** जौ में पहली सिंचाई, बोआई के 30-35 दिन बाद कल्ले बनते समय करनी चाहिए।
- **चना :** बोआई के 45 से 60 दिन के बीच पहली सिंचाई कर दें।
- झुलसा रोग की रोकथाम के लिए छिड़काव करें।
- **मटर :** बोआई के 35-40 दिन पर पहली सिंचाई करें।
- **मसूर :** मसूर की बोआई अभी भी कर सकते है, लेकिन प्रति हेक्टेयर 55 से 75 किग्रा बीज लगेगा।
- बोआई के 45 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई करें। ध्यान रखें, खेत में पानी खड़ा न रहे।
- **राई-सरसों :** बोआई के 55-65 दिन पर फूल निकलने के पहले ही दूसरी सिंचाई कर दें।
- **बरसीम :** बोआई के 45 दिन बाद पहली कटाई करें । फिर हर 20-25 दिन पर कटाई करते रहें।
- हर कटाई के बाद सिंचाई करना जरूरी है।